

१०८.

श्री अमृता नाथ,
लुम्बनगर,
काशी उपर्युक्त।

लेखा ३,

मेरठा,
हेन्ड्रन बोर्ड ग्राम लैकेजरी स्कूलभाव,
२०१७ की विद्यार अंगरी रात,
दारियानग, नव दिल्ली।

शिशा लुम्बन-१७

शास्त्राधिकार १३ नवम्बर, १९७

धिकार:- इसी विद्या नीचर, लुम्बनगर रोड, काशी के आँदीला प्रमाण पर विषय
का ने है तोहर है।

मानोन्,

यह यह अने जा नियोग हुआ है ऐ मुख्य धिया नीचर, लुम्बनगर रोड,
काशी के हेन्ड्रन बोर्ड ग्राम लैकेजरी स्कूलभाव, नई फिल्मी है सम्बन्धित प्रकाश विषय
का ने है जो रात्र तरबार के नियमितियां प्रतिक्रिया/ शारीर के अधीन आपसीता
कर्त्ता है :-

१०८) लाभार्थ श्रीमिति

१- श्रीमिति की प्राच्या अधिकृत गे शिशा नियोग तारा नामका एक दादत्य
हैंगा।

२- धियुक्त है ज्ञ दे छा १० श्रीमिति लाभ ग्राम ग्रामी, धियुक्ते एवं नियमी आय
का उत्तरां दे छिए दुर्लिङ्ग रवी द्वारा उपर्युक्त धियुक्त शिशा
परिवार/ देशिक शिशा परिवार तारा नामका धियाल्पा मे धिभित्ता
करात्रो है जिए शिशा अधिक ग्राम कही रिता वाहेगा।

३- राष्ट्र तरबार तारा लंस्ता के अनुमान कही दिया वाहेगा।

४- लंस्ता के सभी ग्रामीय/ अध्याधिकरण प्राप्तिशार होगी। लंस्ता के शिशा
तारा त्राहाण्डोकर अध्याधिकरणो एवं राष्ट्रीय ताडावांग प्राप्ता शिशा
संस्थाओं के अधिकारियो के अनुमन्य वेतनानां लंस्ता उन्ह भारती के लम्ह
देक्कनां स्व उम्ह भारती कही दिया वाहेगो।

५- राष्ट्र तरबार अध्या शिशा नियमां तारा के भी ज देखा नियम विषय
कार्यमे जागा धारण लंस्ता के लिए अभियार्थी होगा।

६- देखा १० मे अनुमान तारा शिशा तार रुपर उल्लंघनी वा रात्रे वाहेगा।

प्रिया विवेद गुरुकाला

- १- प्रिया की पृष्ठन्ता समीति रंगतर्छ बोगी तथा तमन्तकाम पर निष्पन्न-
हार जाए बीनीकरण भी द्वाया जायेगा ।
- २- प्रिया के जब प्रत्येक ज्ञा व अनुभाग के लिए उपित आवार वा छाका-
का, दो वैश्वीनिक विभाय ज्ञा, दो प्रयोगसामान्य ज्ञा तथा तार
प्रसारान्तिक ज्ञा जी जब पृष्ठन्ता खो जायेगी ।
- ३- ज्ञानात्मिकों की देवा शर्त ज्ञानी जापेगी और उन्हें धडायला प्राप्त
ज्ञानासङ्गीत उच्चार पायद्योगिक प्रियात्मिकों के ज्ञानात्मिकों दो अनुभव देवा-
निरूपिताक लाभ जलवा ज्ञावे जायेगे ।
- ४- प्रिया का लेखा-पीछा निष्पारित प्रफारे/ पंजियाँगे वे रखा जायेगा ।
- ५- इसका शर्त ज्ञा पालन अना अनिवार्य होगा । वित्ती भी सम्पूर्ण उच्चा
कार्यों ने ते किंवा भी शर्त ज्ञा उत्तोका दीने पर राष्ट्र उत्तरार जारा प्रदत्त
"मनापरित्यं प्राप्तार पर" वापस ले दिया जायेगा ।

नायदोय,

स्वाधेस्त्रो गौरी ।
संयुक्त सम्पादा ।

क्रमांक :- 4627/11/16-17-07-गुरुकाला

- प्रतिविषय निष्पारिता जो सूचनार्थ प्रेषित :-
- १- विवेदा विक्षेप, उत्तर प्रक्षेप, ज्ञा धावाद ।
 - २- ज्ञा विवेदा विक्षेप, लघान्त्र ग्रन्थ, लघान्त्र ।
 - ३- विवेद विवाह्य विरीक्षक, लघान्त्र ।
 - ४- विरीक्षक, औच्च मारसीय विवाह्य, उपग्रह, लघान्त्र ।
 - ५- प्रक्षेप, गठीर्व प्रिया वीपर अधिकाव लूण, सोलापुर रोड, लघान्त्र ।

आज ते,

स्वाधेस्त्रो गौरी ।
संयुक्त सम्पादा